

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया शोधकर्ता को सीएआर टी सेल रिसर्च के लिए मिला कार्ल जून सीएआर-टीसीआर समिट ट्रैवल अवार्ड

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के मल्टीडिसिप्लिनरी सेंटर फॉर एडवांस्ड रिसर्च एंड स्टडीज (एमसीएआरएस) की पीएचडी शोधार्थी सुश्री अरीज अख्तर को बोस्टन, मैसाचुसेट्स, यूएसए में आयोजित प्रतिष्ठित कार्यक्रम में कार्ल जून सीएआर-टीसीआर समिट ट्रैवल अवार्ड दिया गया। सीएआर टी सेल थेरेपी के क्षेत्र में अग्रणी डॉ. कार्ल जून द्वारा प्रस्तुत यह पुरस्कार सीएआर टी सेल थेरेपी की प्रभावकारिता को बढ़ाने में उनके अभूतपूर्व अनुसंधान के लिए दिया गया है। सुश्री अख्तर का काम, जिसका शीर्षक "बायोइंजीनियरिंग द मेटाबोलिक नेटवर्क ऑफ़ सीएआर टी-सेल्स टू इनक्रीज़ पर्सिस्टेंस एंड लॉन्ग-टर्म एंटी-ट्यूमर एक्टिविटी" है, जो सीएआर टी सेल थेरेपी के क्षेत्र में महत्वपूर्ण चुनौतियों को उजागर करता है।

सुश्री अख्तर के शोध में इन "लिविंग ड्रग्स" की दृढ़ता और दीर्घकालिक प्रभावशीलता में सुधार के लिए मेटाबोलिक पुनर्प्रोग्रामिंग की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया है, जिसने 2017 में FDA द्वारा पहली CAR T सेल थेरेपी को मंजूरी दिए जाने के बाद से कैंसर के उपचार में क्रांति ला दी है। दुनिया भर में 35,000 से अधिक रोगियों को इस उपचार से लाभ हुआ है, जो उन मामलों में भी प्रभावी रहता है जहाँ कीमोथेरेपी और इम्यूनोथेरेपी जैसी अन्य चिकित्साएँ विफल हो गई हैं। उनकी टीम के अभिनव शोध का उद्देश्य GLP-1 पेप्टाइड का उपयोग करके CAR T कोशिकाओं के मेटाबोलिक पैथवेस को बायोइंजीनियर करके CAR T-सेल्स की लॉगिविटी से निपटना है, जिससे उनका लाइफस्पैन और ट्यूमर-रोधी गतिविधि बढ़ जाती है।

सुश्री अख्तर ने CAR T सेल फ़ंक्शन को बढ़ाने और उनकी लॉगिविटी को बढ़ाने वाले मोलिक्यूलस को खोजने के लिए 3,000 से अधिक विभिन्न मोलिक्यूलस के कॉम्बिनेशन की जांच की, सुश्री अख्तर ने अवार्ड समारोह के दौरान कहा, "हमारी टीम ने सफलतापूर्वक एक यूनिक कॉम्बिनेशन की पहचान की है जो रोगी के सैंपल्स और प्री-क्लिनिकल मॉडल दोनों में उल्लेखनीय रूप से अच्छी तरह से काम करता है"। CAR T सेल थेरेपी अपनी हाई कॉस्ट के लिए जानी जाती है, जो ₹4 से ₹5 करोड़ के बीच होती है। सुश्री अख्तर ने इस जीवन रक्षक चिकित्सा को दुनिया भर के रोगियों के लिए अधिक किफायती और सुलभ बनाने के अपने लक्ष्य पर जोर दिया। सुश्री अख्तर के शोध के बायोइंजीनियरिंग इनोवेशन का पेटेंट कराया गया है, जिसमें सुश्री अरीज अख्तर और जेएमआई के एमसीएआरएस में सहायक प्रोफेसर डॉ. तनवीर अहमद दोनों को इन्वेंटर्स के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। यह कार्य वर्तमान में प्रकाशन के लिए सहकर्म समीक्षा के अधीन है और इससे कैंसर उपचार के क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ने की उम्मीद है।

एमसीएआरएस के निदेशक प्रो. मोहम्मद हुसैन ने सुश्री अरीज अख्तर को अवार्ड प्राप्त करने पर बधाई दी और उनके शोध प्रयासों की प्रशंसा की। "जामिया मिल्लिया इस्लामिया के शोधार्थी उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं, और अपने योगदान के लिए दुनिया भर में पहचान हासिल कर रहे हैं। सुश्री अरीज अख्तर जैसे विद्वान विश्वविद्यालय के लिए एक असेट्स हैं, और उन्होंने अपने रिसर्च जर्नी से यह साबित कर दिया है कि वे विश्व स्तरीय शोध कर सकते हैं और देश को गौरवान्वित कर सकते हैं," प्रोफेसर हुसैन ने कहा। यह उपलब्धि न केवल सुश्री अख्तर के करियर में एक मील का पत्थर है, बल्कि अत्याधुनिक शोध के लिए जामिया की प्रतिबद्धता को भी मजबूत करती है, जिसमें वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य सेवा को बदलने की क्षमता है।

जनसंपर्क अधिकारी
जामिया मिल्लिया इस्लामिया